

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—व्यष्ट 3—उप-व्यष्ट (II) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशिक PUBLISHED BY AUTHORITY

й. 47] No. 47] नई विल्ली, संगलवार, जनवरी 19, 1983/पीप 29, 1914 NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 19, 1993/PAUSA 29, 1914

इंडर भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या की जाती ही जिसते कि यह भनग संकलन के कप में रखा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)

मधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1993

का०न्ना० 55 (म्र):— ट्रैक्टर उपकर नियम, 1992 का प्रारूप, उद्योग (विकास और विनियमन) म्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 30 की उपधारा (1) की सपेक्षानुसार भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय की म्रधिसूचना सं० का०न्ना० 8(म्र) तारीख 6 जनवरी, 1992 के साथ भारत के राजपत्न, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 6 जनवरी, 1992 में प्रकाणित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको वह राजपत्न, जिसमें उक्त मधिसूचना मन्तविष्ट है, जनता को उपसम्ब करा दिया जाता है, साठ दिन के भीतर माक्षेप और सुक्षाव मांगे गए थे;

और उक्त राजपन्न जनता को 21 जनवरी, 1992 को उपलब्ध करा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रस्थापनाओं के संबंध में जनता से प्राप्त ग्राक्षेप और सुझावों पर विचार कर लिया है;

ग्रतः केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) श्रीधिनयम, 1951 (1951 का 65) की घारा 9 के साथ पठित घारा 30 द्वारा प्रवत्त शक्तिओं का प्रयोग करते हुए, निम्निलिखत नियम बनाती है, ग्रथीत :---

- संक्षिष्त नाम और प्रारम्भ :---(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ट्रैक्टर उपकर नियम, 1992 है।
- (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की सारीख को प्रवृत्त होंगे।

- 2. परिभाषाएं:---इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से ग्रन्थथा श्रपेक्षित न हो:---
 - (क) "ग्रधिनियम" से उद्योग (विकास और विनियमन) ग्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) ग्रभिप्रेत है; १
 - (ख) "द्दटर" में अधिनियम की पहली अनुसूची के शीर्षक 10 के उपशीर्ष (1) के अधीन "कृषि मशीनरी" में आने वाला ऐसा द्रैक्टर अभिन्नेत है जो 25 से अधिक अन्य शक्ति की शक्ति से वालिस हों,
 - (ग) "उपकर" से श्रिधिनियम की छारा 9 की उपधारा (1) के ग्रिधीन निकाली गई भारत सरकार के उद्योग मंत्राचय (भारी उद्योग विकाल) को श्रिधि-सृध्वा सं० काल्था० 662 (अ) तारीख 6 सिनम्बर, 1985 के निबंधनों के मनुसार उद्गृहीत और संग्रहीत उपकर ग्रिभिन्न है;
 - (घ) "कलक्टर" से अन्द्रीय उत्पाद-मुक्क कलक्टर ग्रभिप्रेत है और जिस्मा ग्रन्तर्गत अन्द्रीय उत्पाद-मुक्क ग्रनर कलक्टर, केन्द्रीय उत्पाद-मुक्क उन कलक्टर, केन्द्रीय उत्पाद-मुक्क सहायक कलक्टर और केन्द्रीय उत्पाद-मुक्क ग्रमीक्षक भी हैं।
 - (ङ) "विकास परिषद" से ग्राधिनियम की धारा 6 थे ग्रिधीन ग्राटोमोबाइल और सहबद्ध उद्योगों के लिए स्थापित विकास परिषद हैं;
 - (च) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयोग किए गए और जो परिभाषित नहीं हैं, परन्तु केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक श्रिष्ठितियम, 1944 (1944 का 1) में या उसक श्रिष्ठीन बनाए गए नियमों में परिभाषित हैं, क्रमशः वही श्रयं होंगे जो उस श्रिष्ठितियम या नियमों में हैं।
- केन्द्रीय उस्पाद-शुक्क झौर नमक अधिनियम, 1944 झौर उसके अधीन बनाए गए नियमों का लागू होता:—-

हन नियमों में धन्यथा उपबंधित के सिवाए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) तथा उसके ध्रधीन बनाए गए नियमों के उपबंध जिसमें शुल्क के प्रतिदाय से संबंधित उपबंध भी हैं, जहां तक हो सके, उपकर के उद्ग्रहण घौर संग्रहण के संबंध में वैसे ही लागू होंगे जैसे वे ध्रधिनियम और नियमों के प्रधीम ट्रैक्टरों के विनिर्माण पर उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण घौर संग्रहण के संबंध में लागू होते हैं।

4. विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना: — (1) प्रत्येक विनिर्माता पूर्व मास के दौरान भ्रपने उपक्रम में विनिर्मित था उत्पादित श्रौर वहां से हटाए गए ट्रैक्टरों की मदों के समस्त स्टाक की विवरणी इन नियमों के उपाबंध में निनि-दिष्ट प्ररूप में प्रत्येक मास की 10 तारीख को या उसमें पहले कलक्टर भीर विकास परिषद् को प्रस्तुत करेगा।

- (2) यदि कोई विनिर्माता उपनियम (i) में विनिर्घिष्ट तारीख के भीतर विवरणी प्रस्तुत करने मे ग्रसफल रहता या ऐसी विवरणी प्रस्तुत करता है जिसे कलक्टर या विकास परिषद् के पास ग्राण्ट या त्रुटिपूर्ण विश्वास करने का कारण है, तो कलक्टर, विनिर्माता को उसके द्वारा विनिर्मित या उत्पाधित ट्रैक्टरों से संबंधित सभी या किन्ही लेखान्नों को प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी कर सकेगा।
- 5. उपकर के भागम: उपकर का भागम पहले शीर्षं "038 केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क वाणिज्य ट्रैक्टर पर उपकर" के भ्रधीन भारत की संचित निधि में जमा करा विया जाएगा धौर केन्द्रीय सरकार इस निमित्त विधि द्वारा संसव द्वारा यथा विनियोग किए जाने के पश्चात् ऐसे भ्रागम से संग्रहण लागत की कटौती करने के पश्चात् ऐसी राणि जो वह भ्रावण्यक समझे विकास परिषद् को सौप देगी।
- 6. खाता खोलना.—विकास परिषद द्वारा नियम 5 के मधीन प्राप्त की गई रकम भारतीय स्टेट बैंक के खाते में रखी जाएगी।
- 7. विकास परिषद के लेखें :— (1) विकास परिषद् नियम 5 के ग्रधीन प्राप्त की गई रकम के संबंध में समुचित लेखें रखेगी।
- (2) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए संपरीक्षित लेखा धिवरण लेखापरीक्षक की रिपोर्ट सहित केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा।
 - 8. विकास परिषद का बजेट प्राक्कलन --
- (1) विकास परिषद् प्रत्येक वर्ष, आगामी वित्तीय वर्ष के लिए बजट तैयार करेगी श्रीर केन्द्रीय सरकार की मंजूरी के लिए ऐसी तारीख को या उससे पहले जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, प्रस्तुत करेगी ।
- (2) कोई व्यय तब तक नहीं किया जाएगा जब तक केन्द्रीय सरकार द्वारा बजट को मजूरी नहीं मिल जाती।
- (3) बजट केन्द्रीय संग्कार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए धनुवेणों के ध्रनुसार तैयार किया जाएगा।

9. विहित प्रशासनिक व्यय:---

विकास परिषद नियम 5 के प्रधीन ग्रपने हारा प्राप्त रकम से ऐसी राशि का जो 2 प्रतिशत से अधिक नहीं हो, कार्यालय स्थापन ग्रौर उपस्कर, लेखन सामग्री, जाक महसूल, टेलीग्राम, टेलोफोन टेलेक्स, सचिवालय में नियोजित कर्म-चारिषृत्द की मजबूरी ग्रौर भत्ते, सदस्यों के याद्रा ग्रौर दैनिक भक्ते ग्रौर परिषद् का ग्रधिवेशन करने से संबंधित व्ययों के लिए उपयोग कर सकेगी।

भारत का राजभन्न, ग्रसाधारण [भाग 2 खंड 3(ii)]

उपायंध

ट्रैक्टर उपकर नियम 1985 के प्रधीन प्रस्तृत की जाने वाली भासिक विवरणी

का प्ररूप

					(नियम 4 देखें)	
			ाः । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।			
	उपकर के ग्रध्यधी न माल का आरंभिक ग्रांतिणेष		उपकर के भ्रध्यधीन विनिर्मित माल		उपकर के श्रध्यधीन हटाए गए माल	
वर्णन	माता	वर्णन	भान्ना	वर्णन	मात्रा	
1	2	3	4	5	6	
मंत ग्रतिशेष	वर्णन		माल्ला	िप्प	ण	
, , , , , , , , , , , , , , , , , , , 	7		8	9		

मैं/हम यह धोषणा करता हूं/करते हैं कि मैंने/हमने उपरोक्त दर्शायी गई विशिष्टियों को मेरे/हमारे कारखाने के प्रिभिलेखों और ,बही से मिलान कर लिया है भीर जहा तक मैं/हम प्रिभितिरचय करता हूं/करते है वे यथार्थ श्रीर पूर्ण है।

[फा. सं. 5 (18)/90 — ए ई एल (III)] विनिर्माता के हस्ताक्षर वी. एन. मूर्ति, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th January, 1993

S.O. 55(E).—Whereas the draft of the Tractor Cess Rules, 1992 was published in the Gazette of India Extraordinary Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 6th January, 1992 with the Notification of the Government of India in the Ministry of Industry No. S.O. 8(E) dated the 6th January, 1992 as required by Sub-section (i) of the Section 30 of the Industries (Development and Regulation). Act, 1951 (65 of 1951), for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within sixty days from the date on which the Gazette containing the said notification was made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 21st January, 1992;

And wheras the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 30 read with section 9 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Tractor Cess Rules, 1992;
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires:—
 - (a) "Act" means the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951);
 - (b) "Tractor" means tractor as covered under the Sub-heading (1) of heading 10 'Agricultural Machinery' of the First Schedule to the Act and of power take-off House Power exceeding 25;
 - (c) "cess" means the cess levied and collected in terms of notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Heavy Industry) No. S.O. 662(E) dated the 6th September, 1985 issued under sub-section (1) of section 9 of the Act;
 - (d) "Collector" means the collector of Central Excise and includes the Additional Collector of Central Excise, the Deputy Collector of Central Excise, Assistant Collector of Central Excise and Superintendent of Central Excise;

- (e) "Development Council" means the Development Council for Automobiles and Allied Industries established under section 6 of the Act:
- (f) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944) or the rules made thereunder, shall have the meaning respectively assigned to them in that Act or the rules.
- 3. Application of Central Excise and Salt Act, 1944 and the rules made thereunder.—Save as otherwise provided in these rules, the provisions of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the rules made thereunder including those relating to refund of duty shall, so for as may be apply in relation to the levy and collection of the cess as they apply in relation to the levy and collection of the duty of excise on manufacture of tractors under the Act and the rules.
- 4. (1) Submission of returns.—(1) Every manufacturer shall submit to the Collector and to the Development Council on or before the 10th of very month a return in the Form specified in the annexure to these rules of all stocks of items of tractors manufactured or produced in, and removed from his undertaking during the previous month.
- (2) If any manufacturer fails to furnish the return within the date specified in sub-rule (1) or furnishes a return which the Collector or the Prevelepment Council as reason to believe is incorrect or defective, the Collector may serve notice on the manufacturer calling upon him to produce all or any of his accounts relating to the tractors manufactured or produced by him.
- 5. Proceeds of the cess.—The proceeds of the cess shall first be credited to the Consolidated Fund of India under the head "038-Union Excise duties—Cess on commodities tractors" and the Central Government may after due appropriation made by Parliament by law in this behalf, hand over to the Development Council such sums as it may consider necessary from out of such proceeds after deducting therefrom the cost of collection.
- 6. Opening of Accounts.—The amount received by the Development Council under rule 5 shall be keptin an account with the State Bank of India.
- 7. Accounts of the Development Council.—(1) The Development Council shall maintain proper accounts relating to the amount received by it under rule 5.
- (2) The audited statement of accounts for every financial year, together with the auditor's report thereon, shall be submitted to the Central Government.
- 8. Budget estimates of the Development Council.—
 (1) The Development Council shall in each year prepare a budget for the ensuing financial year and sub-

mit the same for sanction to the Central Government on or before such date as may be specified by the Central Government.

- (2) No expenditure shall be incurred until the budget is panctioned by the Central Government.
- (3) The budget shall be prepared in accordance with such instructions as may be issued from time to time by the Central Government.
- 9. Prescribed administrative expenses.—The Development Council may utilise a sum not exceeding 2 per cent of the amount received by it under rule 5, to meet its expenses on account of office establishment and equipment, stationery, postage, telegrams, telephones telex, wages and allowances of staff employed in the Secretariat, travel and daily allowance of members and expenditure connected with hold to of council meetings.

THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY [PART-II SEC. 3(ii)]

ANNEXURE

From of Monthly Return to be submitted under the Tractor Cess Rules, 1985. (See rule 4)

Month ending	
Name of Factory	
Address	

Opening balance	of goods subject to cess	Goods subject to	cess manufactured	Goods subject	to cess removed
Description	Quantity	Description	Quantity	Description	Quantity
1	2	3	4	5	6

Description	Closing Balance Quantity	Remarks
7	8	9

I/We declare that I/we have compared the above shown particulars with the records and books of my/our factory and that they are in so far as I/we can ascertain accurate and complete.

IF. No. 5(18)/90-AEI-III B.N. MURTHY, Jt. Secy.